ओडीओपी समिट : राष्ट्रपति बोले-कम परिश्रम के व्यवसाय की मानसिकता बदलें युवा

उत्पादों की ब्रैंडिंग भी जरूरी

■ एनबीटी ब्यूरो, लखनऊ

गोमतीनगर के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में ओडीओपी समिट के उद्घाटन के मौके पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने पुरानी मानसिकता बदलकर आगे बढ़ने का मंत्र दिया। शुक्रवार को कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति ने कहा कि कोई भी हुनर या कौशल समाज के किसी वर्ग से जुड़ा नहीं होता है। देश के युवाओं को कम परिश्रम के व्यवसाय या नौकरी की मानसिकता को बदलना होगा। परिश्रम का कोई उच्च या निम्न स्तर नहीं होता है। कहा, 'डिग्निटी ऑफ लेबर ऐंड रिस्पेक्ट फॉर स्किल में विश्वास करने वाला समाज विकास की दौड़ में हमेशा आगे रहता है।' समारोह का समापन सत्यदेव पचौरी ने किया।

'विकसित देशों से सीखना होगा' : सूक्ष्य एवं लघु मध्यम उद्यम को बढ़ावा मिले और उद्यमियों की अच्छी कमाई हो, इसके लिए राष्ट्रपति ने विकसित देशों से सीख लेने की नसीहत दी। राष्ट्रपति ने कहा कि हमें विकसित देशों से सीखना चाहिए कि कैसे हाथ से बनी हुई चीजों को ब्रैंडिंग के जरिए विदेशी मुद्रा कमाने, रोजगार बढ़ाने और देश की छवि को निखारने के लिए उपयोग में लाया जा सकता है। राष्ट्रपति ने सुझाव दिया कि ब्रैंडिंग के लिए देश के प्रमुख सात-आठ शहरों में यूपी के जनपदों के उत्पादों की 10 से 15 दिनों की प्रदर्शनी का आयोजन किया जाए। राष्ट्रपति ने 2019 में होने वाले कुम्भ में भी इस तरह की प्रदर्शनी लगाने की राय दी।

बनेगी 10 खरब की अर्थव्यवस्था : राष्ट्रपति ने कहा कि यूपी में ऐसी कई विशेषताएं हैं, जिनके बल पर यह राज्य एक 'ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी यानी 10 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। समिट में ई-मार्केटिंग, जीरो डिफेक्ट-जीरो इफेक्ट और पूंजी निवेश में सहायता के लिए जो एमओयू किए गए हैं, उनसे जिला स्तर पर उत्पादकों के लिए नए अवसर प्राप्त होंगे। थिंक ग्लोबल, ऐक्ट लोकल की सोच के अनुसार स्थानीय कौशल को प्रोत्साहन देकर जनपदों के कई ऐसे उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार के लायक बनाया जा सकता है।

यूपी से जो चुनाव लड़ता है उसे पीएम बनने का मौका मिलता है : राष्ट्रपति ने कहा कि यूपी सौभाग्यशाली है कि यहां पर जो चुनाव लड़ता है, पीएम बनने का सौभाग्य पूरा होता है। उत्तर प्रदेश ने सबसे ज्यादा प्रधानमंत्री दिए। कहा कि उत्तर प्रदेश में विकास प्रदेश बनने की सभी खूबियां मौजूद हैं। केवल उन खूबियों को थोड़ा तराशने की जरूरत है।

राष्ट्रपति ने की मुख्यमंत्री की तारीफ

राष्ट्रपति ने कहा कि योगी सरकार स्पष्ट योजनाओं और महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को लेकर आगे बढ़ रही है। इसके लिए राष्ट्रपति ने पूरी टीम को बधाई दी। कहा कि 'ओडीओपी' योजना से स्थानीय कौशल और कलाओं का संवर्धन होगा। उत्पादों की पहुंच बढ़ेगी। इससे उत्तर प्रदेश के हर जनपद में शिल्पकारों की आर्थिक प्रगति होगी। राज्य के समग्र और संतुलित विकास को बल मिलेगा।

पूर्व पीएम अटल बिहारी को किया याद

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को याद किया। कहा कि अटल जी कहा करते थे उत्तर प्रदेश, उत्तम प्रदेश है। जो इसकी खोज कर लेगा उसे पता चलेगा कि यह प्रदेश कितना संभावनाओं से भरा हुआ है। यूपी में ताजमहल है। कई नदियां हैं और देश का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है जो प्रदेश को सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में मदद कर सकता है।

चिकन कारीगरी देख राष्ट्रपति खो गए पुरानी यादों में

■ **अभिषेक पांडे, लखनऊ :** राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में पारम्परिक उत्पादों की प्रदर्शनी देख रहे थे कि अचानक चिकनकारी के स्टॉल पर आकर ठहर गए। चौक की यह चिकनकारी देखकर राष्ट्रपति पुरानी यादों में खो गए, उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ को बताया कि चिकनकारी और उसके कपड़ों की क्या खासियत है। उन्होंने बताया कि वह चिकनकारी के मुरीद रहे हैं। लखनऊ की इस ऐतिहासिक कला के बारे में राष्ट्रपति ने खुद सीएम को कई अनूठी जानकारियां दीं। राष्ट्रपति ने सीएम और राज्यपाल के साथ घूमकर एक-एक स्टॉल का जायजा लिया।

Photos : Sandeep Rastogi

सहारनपुर के लकड़ी उद्योग को लोन का आश्वासन

प्रदर्शनी में दूसरे नम्बर पर लगे सहारनपुर के इरशाद के स्टॉल पर राष्ट्रपति ने लकड़ी उद्योग की जानकारी ली। इरशाद ने राष्ट्रपति और सीएम से उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए बैंक लोन की समस्याओं से अवगत करवाया। इसके अलावा लकड़ी उद्योग पर लगने वाले जीएसटी को भी खत्म करने की अपील की। इन समस्याओं को सुनकर राष्ट्रपति ने समाधान का आश्वासन भी दिया।

बाजार की मांग के साथ चला बाराबंकी जिला

बाराबंकी का हैंड एम्ब्रॉइडरी उद्योग वक्त के साथ पीछे होता जा रहा था, लेकिन बाजार में बदलती मांग को देखते हुए मुनीर अहमद ने इसे बदलने का फैसला किया। मुनीर ने राष्ट्रपति को बताया कि पहले गमछा और लुंगी उत्पादन करते थे। पर बाजार में लड़कियों व महिलाओं की रुचि को देखते हुए स्टोल उत्पादन करना शुरू कर दिया।

जूट की खेती बढ़ी

लखीमपुर जिले की थारू जनजाति की महिलाएं अपने हाथों से जूट के कपड़े से बने बैग और टोपी लेकर प्रदर्शनी में शामिल हुईं। थारू जनजाति की आरती राणा ने बताया कि जूट की मांग बढ़ने पर किसानों ने भी लखीमपुर में इसकी खेती करना शुरू कर दिया है। इस उद्योग से करीब 3600 थारू जनजाति की महिलाएं जुड़ी हैं।

बैंकों से लोन न मिलने की रही शिकायत

एक जनपद एक उत्पादन प्रदर्शनी में शामिल दुकानदारों की एक ही शिकायत रही कि बैंक लोन देने में आनाकानी करते हैं। सहारनपुर के लकड़ी के कारीगर से लेकर पीलीभीत के बांसुरी उद्योग की प्रदर्शनी लगाए शमशाद खान ने भी बैंक लोन की समस्या को बताया। सीएम ने सभी को बसरकारी मदद का आश्वासन दिया है।

गोरखपुर के स्टॉल पर दुकानदार सोते रह गए

राष्ट्रपति पूरी प्रदर्शनी का निरीक्षण करने के बाद आखिर में गोरखपुर जिले के स्टॉल पर पहुंचे। वहां स्टॉल में बैठे गुलरिया बाजार के दुकानदार रविन्द्र कुमार सोते रह गए। जागे तो पता चला कि सीएम योगी आदित्यनाथ स्टॉल में लगी प्रदर्शनी देखकर चले गए। रविन्द्र को मलाल है कि उसने अपने जीवन का अहम पल खो दिया। उसने टेराकोटा उद्योग की प्रदर्शनी लगा रखी थी।

बनारस के स्टॉल नहीं गए राष्ट्रपति

बनारसी साड़ी उद्योग की प्रदर्शनी लगाए बैठे तोहसीफ अंसारी को निराशा हाथ लगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति और सीएम को प्रदर्शनी में दिखाने के लिए 6 महीने से एक साड़ी अपने हाथों से बना रहे थे। इस साड़ी को बनाने में करीब 40 हजार रुपये लगे, लेकिन राष्ट्रपति के स्टॉल पर न आने से वह दुखी हैं। तोहसीफ की बनाई हुई साड़ी में खेती कर रहे किसान की बर्बादी को दिखाया गया है। उनका कहना है कि बनारस के साड़ी उद्योग को सरकार की ओर से कोई खास मदद नहीं मिल रही है।

₹50,000 करोड़ की परियोजनाएं शुरू होंगी : योगी

■ **एनबीटी ब्यूरो, लखनऊ :** राज्य सरकार जल्द इन्वेस्टर्स समिट के दौरान हुए 4.68 लाख करोड़ रुपये के एमओयू में से 50,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास जल्द होगा। स्टार्टअप योजना के लिए भी राज्य सरकार ने 250 करोड़ रुपये की व्यवस्था की है। हमारी कोशिश प्रदेश से युवाओं का पलायन रोकना है। कानून-व्यवस्था के साथ प्रदेश की छवि को भी सुधारना है। उत्तर प्रदेश के हर जिले की कोई न कोई विशेषता है।

हमें बैंकॉक से सीखना चाहिए : मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें बैंकॉक से सीखना चाहिए कि किस तरह अपने संसाधनों का इस्तेमाल कर तरक्की की जा सकती है। कहा, मैं 25 साल पहले बैंकॉक गया था और हाल ही में दोबारा जाने का अवसर मिला। इस दौरान वहां के उद्योगपतियों से भी मिला। वहां हुए विकास के बारे में मैंने अधिकारियों से बात भी की।

यूपी बन रहा है रोल मॉडल : राज्यपाल

राज्यपाल राम नाइक ने कहा कि यूपी में हो रहे काम देखकर दूसरे प्रदेशों को काम करने का जोश मिलेगा। यूपी दूसरे राज्यों के लिए रोल मॉडल बन रहा है। यूपी की पहचान अब विदेश में भी होने लगी है। उन्होंने कहा कि यूपी में 58 साल तक यूपी दिवस नहीं मनाया गया। आप कौन हैं, आपकी ताकत क्या है, किसी को यह भी नहीं पता था। ओडीओपी से ग्रामीण क्षेत्र में नई क्रांति की शुरुआत हुई है। अब यहां के लोगों को दूसरे शहरों के स्लम में रहने की जगह अपने प्रदेश और घर में रहकर काम करने का मौका मिला है।

हाथों की कारीगरी यूरोप-अमेरिका में बनी 'ब्रैंड'

Manish.srivastava2
@timesgroup.com

■ **लखनऊ :** पीलीभीत के शमशाद अहमद बांस के पेड़ों को करीने से संवारकर उन्हें सुरीली बांसुरी बना देते हैं। इन बांसुरी की डिमांड डेनमार्क, साउथ अफ्रीका और अमेरिका के बैंड में सबसे ज्यादा है। वह इसे इन देशों में भेज रहे हैं। ऐसी ही डिमांड सीतापुर के वकील अहमद के कालीन की है। वह हाथ से दरी और कालीन बनाते हैं, जो अमेरिका, फिनलैंड, स्पेन, जापान और चीन में हाथों-हाथ ली जाती है। वह कहते हैं कि विदेश में हस्तशिल्प की ज्यादा डिमांड है। मशीनें तो उनके पास हमसे अच्छी हैं, लेकिन हमारा हाथ का काम दुनिया के देशों में 'ब्रैंड' बन गया है।

करोड़ों का हो रहा निर्यात : जिलों के पारम्परिक उत्पादों को आईजीपी में एक छत के नीचे रखा गया है। दुनिया के कई देशों में ये प्रॉडक्ट साख बनाने में कामयाब रहे हैं। इस साख के पीछे इन्हें बनाने वालों के हाथों का हुनर है। कानपुर के लेदर व्यवसायी कैब मैनुफैक्चिरिंग के मो. कलीम अंसारी कहते हैं कि लेदर का यूपी से ही सालाना निर्यात 2500 करोड़ रुपये तक का है। हम लोग 30 लाख तक का सालाना निर्यात कर लेते हैं। विदेश में भी अच्छा लेदर बनता है, लेकिन कारीगरी यहीं की भाती है। हम ब्रुनेई, मलयेशिया, मालदीव और उजबेकिस्तान में इसका निर्यात कर रहे हैं। कन्नौज के इत्र व्यवसायी तन्मय घोष कहते हैं कि यहां से हम फ्रांस, दुबई और टर्की में अपना इत्र भेज रहे हैं।

अमेरिका, साउथ-ईस्ट एशिया और यूरोप में हस्तशिल्प की मांग ज्यादा

दुनिया में बनाई है धाक : मेरठ में स्पोर्ट्स गुड्स बनाने वाले अनीस बताते हैं कि कुछ दिन पहले ऑस्ट्रेलिया के शेन वाट्सन ने हमसे बैट लिया था।

भारत में भी कई अच्छे खिलाड़ी मेरठ से ही बैट लेकर जाते हैं। कई विदेशी बिजनेसमैन भी मेरठ से बैट खरीदकर अपने देश में बेचते हैं। वहीं, मथुरा के जतिन बताते हैं कि वह दुनिया के 40 देशों में अपना सेनेटरीवेयर पहुंचा रहे हैं। जर्मनी और फ्रांस की कंपनियों की तर्ज पर हमने रोबॉटिक प्लांट लगा रखा है। हम विदेशी कंपनियों से सीधे मुकाबला कर रहे हैं।

'सरकार करे मदद तो और बेहतर करेंगे'

कन्नौज के इत्र व्यवसायी तन्मय घोष कहते हैं कि हमें सरकार से काफी उम्मीदें हैं। वह नवंबर में सरकार की ओर से फ्रांस में आयोजित लघु उद्योग समिट में भी गए थे। वह कहते हैं कि फ्रांस में इत्र के लिए मशहूर ग्रासे भी पहले गांव था, अब पूरी दुनिया में उसे जाना जाता है। हमें सरकार निर्यात का रास्ता दिखाए और टैक्स में कुछ राहत मिले तो हम और बेहतर करें। कानपुर के लेदर व्यवसायी मो.कलीम कहते हैं कि सरकार कंप्यूटर एडेड डिजाइन सिखाने में मदद करे तो हम अच्छी डिजाइन बना सकते हैं।

सीएम योगी ने राष्ट्रपति को अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। हालांकि इस दौरान सत्यदेव पचौरी किसी कारणवश बैठे ही रहे।

'विदेश से मिल सकता है सस्ता ऋण'

■ **एनबीटी ब्यूरो, लखनऊ :** दुनिया के कई देश या वहां की वित्तीय संस्थाएं लघु उद्यमियों को सीधे ऋण देने के लिए तैयार हैं। बस इसके लिए आपको अपना प्रॉजेक्ट सही ढंग से प्रस्तुत करना होगा। यह जानकारी पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स के इंटरनेशनल अफेयर्स के रंजीत चतुर्वेदी ने दी। वह ऋण व्यवस्था को लेकर आयोजित तकनीकी सत्र में बोल रहे थे। उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने ही यह व्यवस्था कर दी है कि वह काउंटर गारंटी देकर किसी भी देश की वित्तीय संस्था से लोन दिलवा सकती है। दुनिया के कई देशों में भारत से भी सस्ता लोन मिलता है। कुछ संस्थाएं तो जीरो फीसदी ब्याज पर ऋण देती हैं, लेकिन उनकी शर्तें माननी जरूरी होती हैं। वहीं, सिडबी के मनोज मित्तल ने बताया कि दस लाख से कम ऋण लेने वाले उद्यमी अपने कर्ज का भुगतान नहीं कर पाते हैं। इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

टेक्सटाइल में क्वॉलिटी महत्वपूर्ण

हैंडलूम और टेक्सटाइल पर आयोजित तकनीकी सत्र में व्यवसायी पूजा मखीजा ने कहा कि इन दोनों ट्रेड को आगे बढ़ाने के लिए क्वालिटी महत्वपूर्ण है। इसी से हम अपने उत्पाद को दुनिया में जगह दिला सकते हैं। वस्त्रोद्योग मंत्री सत्यदेव पचौरी ने अफसरों से कहा कि वे खुद उद्यमियों के दरवाजे पर जाएं और उनसे संवाद करें।

प्रसंस्करण में रोजगार की संभावना

खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए आयोजित सत्र में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि इस वक्त संगठित क्षेत्र में 6753 और असंगठित क्षेत्र में साढ़े तीन लाख प्रसंस्करण यूनिट्स काम कर रही हैं। इनमें रोजगार की अधिक संभावना है। यूपी में आबादी का दो तिहाई हिस्सा कृषि पर आधारित है। जल्द नए-नए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग स्थापित होंगे।

छोटे कारोबारियों की कला को पहचान दिलाएगी एमेजॉन

■ **लखनऊ :** लखनऊ की चिकनकारी, भदोही का कालीन, अलीगढ़ के ताले, मेरठ के खेल सामान को अब ऑनलाइन मार्केटिंग कंपनी एमेजॉन देश-विदेश में पहचान दिलाएगी। एमेजॉन इंडिया ने यूपी के नौ जिलों के ओडीओपी के तहत चुने उत्पादों को बाजार देगी।

इसके लिए कम्पनी ने एमएसएमई विभाग के साथ एमओयू साइन किया है। कला हाट प्रोग्राम के तहत अमेजन इन उत्पादों की मार्केटिंग करेगी। कम्पनी 300 सूक्ष्म और लघु उद्यमियों को प्रशिक्षण, खाते के प्रबंधन और ऑनलाइन बिक्री में मदद करेगी। इसमें बनारस की सिल्क साड़ी, कानपुर के चमड़े के उत्पाद, मुरादाबाद के पीतल के उत्पाद और सहारनपुर का लकड़ी का बना सामान भी शामिल है।

राष्ट्रपति से सम्मान और टूल किट पाकर हुए भावुक

■ **लखनऊ :** ब्रास पर नक्काशी कर जीवनयापन करने वाले मुरादाबाद के दिलशाद हुसैन के लिए शुक्रवार का दिन बेहद खास था। शुक्रवार को दिलाशाद को उनके हुनर के लिए राष्ट्रपति ने सम्मानित किया। राष्ट्रपति ने दिलशाद को टूलकिट, 40 हजार रुपये और प्रमाण पत्र दिया।

सम्मान पाने के बाद 62 वर्षीय दिलशाद ने कहा कि मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मुझ जैसे छोटे दस्तकार की कला को राष्ट्रपति सराहेंगे। मेरे बादशाही काम को आज मुकाम मिल गया। वहीं, आगरा के मार्बल हैंडीक्राफ्ट के कलाकार इकबाल अहमद ने कहा कि टूल किट मिलने से उनकी कला में और निखार आएगा। अभी जिस काम में 10 से 12 घंटे लगते हैं, वह तीन से चार घंटे में हो जाएगा। गोरखपुर के राजन प्रजापति मिट्टी के बर्तन (टेराकोटा) बनाते हैं। राजन ने कहा कि छोटे कारीगरों के लिए ओडीओपी समिट एक बड़ा मंच है। लखनऊ के चिकन व्यवसायी मोहित वर्मा ने कहा कि छोटे व्यवसायियों के लिए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना एक वरदान है। मुझे भी इस योजना के तहत 10 लाख रुपये का ऋण मिला है। छोटे व्यवसायियों के लिए वर्किंग कैपिटल बड़ी समस्या होती है। मेरी समस्या को प्रदेश सरकार ने हल कर दिया।

दिव्यांगों के लिए बनाएंगे फैशनेबल कपड़े

■ **लखनऊ :** यूपी में दिव्यांगों के लिए फैशनेबल कपड़े बनाए जा सकते हैं। हर दिव्यांग के लिए अलग-अलग तरह के कपड़े ही बेहतर होते हैं, इन कपड़ों में ही वह बेहतर महसूस करते हैं। सरकार अगर मदद करे तो यूपी में भी इसे बनाया जा सकता है। यह प्रस्ताव दिल्ली की फैशन डिजाइनर वरजा बजाज ने सीएम के सामने रखा। उनके साथ यूपी फिल्म विकास परिषद के पूर्व सदस्य विशाल कपूर, डिजाइनर रीना ढाका ने फिल्म, फैशन, क्राफ्ट और पर्यटन से यूपी में रोजगार बढ़ाने का भी प्रस्ताव रखा।

वरजा बजाज ने बताया कि दिव्यांग बच्चों के लिए यूपी में काफी कुछ करने की जरूरत है। उनके लिए फैशनेबल कपड़े बनाए जा सकते हैं और वे खुद भी इस स्किल में ट्रेनिंग पा सकते हैं। इसके लिए फिल्म जगत भी मदद को तैयार है। विशाल कपूर ने कहा कि यूपी में फिल्मों और पर्यटन को जोड़कर अच्छा रोजगार पैदा किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि सीएम ने उनसे प्रॉजेक्ट रिपोर्ट देने को कहा है। फिल्म स्टार्स यूपी में मदद करने को तैयार हैं।

प्रदेशभर में बनेंगे ग्रामीण पर्यटन स्थल

■ **एनबीटी, लखनऊ :** पर्यटन मंत्री रीता बहुगुणा जोशी ने ग्रामीण क्षेत्र के उद्यमियों से कहा है कि उन्हें गांव छोड़ने की जरूरत नहीं है। उन्होंने ऐलान किया है कि जल्द ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन स्थल विकसित होंगे। जिलों में प्रतिभा निखारने के लिए स्किल सेंटर शुरू किए गए हैं।

अफसरों की भी शिकायत : कार्यक्रम के बाद सवाल-जवाब शुरू हुआ तो आजमगढ़ के अशोक ने जिले के बैंक अधिकारियों की शिकायत कर दी। उन्होंने कहा कि लोन के लिए आवेदन करने पर बैंक अधिकारी टालमटोल करते हैं। मंत्री ने लिखित रूप से एक शिकायती पत्र देने को कहा। अशोक ने जवाब दिया कि पीएम से लेकर सीएम को अवगत करा दिया है। फिर भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है।

कुम्भ में लगेगी ओडीओपी प्रदर्शनी

सीएम ने ओडीओपी समिट के उद्घाटन के बाद सीईओज के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री ने उनसे प्रदेश के विकास में भागीदारी का आह्वान करते हुए कहा कि सरकार ओडीओपी योजना को बुलंदियों पर ले जाएगी। सरकार कुम्भ में ओडीओपी उत्पादों की प्रदर्शनी लगाएगी। सेशन के दौरान एमेजॉन सेलर सर्विसेज के निदेशक और महाप्रबन्धक गोपाल पिल्लई, एसीएमए (एकमा) के अध्यक्ष ओंकार नाथ मिश्रा, सीएलई कानपुर के मुख्तारुल अमीन, आईआईए के महासचिव डीएस वर्मा, पीएचडी के अध्यक्ष अनिल खेतान, लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधि रवीन्द्र सिंह समेत कई उद्यमी मौजूद थे।

ओडीओपी समिट में जिलों के खास उत्पादों और उन पर की गई कारीगरी लोगों को खूब भायी।